नोएडा में दिल्ली से ज्यादा प्रदूषण, फिर भी खुलेआम कचरे-झाड़ियों में लगा रहे आग

नोएडा 13 नवम्बर (ए)। नोएडा में प्रदूषण का आंकड़ा लगातार दिल्ली से ज्यादा बना हुआ है। इसके बावजूद जिला प्रशासन और प्रदूषण विभाग के सभी दावों को फ्लॉप साबित करते हुए खुलेआम कचरे और झाड़ियों में आग लगाई जा रही है। कंस्ट्रक्शन से सड़क पर धूल उड़ रही है। रविवार शाम 4 बजे नोएडा में पीएम 2.5 का स्तर 492 तक पहुंच गया। जबकि दिल्ली में प्रदूषण का औसत आंकड़ा 460 रहा। डीएम के कड़े निर्देश के बाद प्रदूषण विभाग ने शनिवार शाम कार्रवाई करते हुए ग्रेटर नोएडा में एक दर्जन से ज्यादा कंस्ट्रक्शन साइट के खिलाफ कार्रवाई की और आठ लाख रुपए का जुर्माना वसूला। इसी तरह नोएडा एरिया में दो साइट पर कार्रवाई करते हुए एक लाख रुपए का जुर्माना वसूला गया। इसके बाद भी रविवार को नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कई जगह कंस्ट्रक्शन का काम हो रहा था।

डेढ़ साल बीते, नहीं खुला एक भी नया पॉलीक्लिनिक

नई दिल्ली 13 नवम्बर (ए)। दिल्ली के सरकारी अस्पतालों से मरीजों की भीड़ कम करने के लिए 55 से अधिक पॉलीक्लिनिक खोलने का प्रस्ताव था। इस प्रोजेक्ट को तीन फेज में पूरा किया जाना था, लेकिन डेढ़ साल बाद दिल्ली स्वास्थ्य विभाग एक भी पॉलीक्लिनिक नहीं खोल सका। फिलहाल पुराने 26 पॉलीक्लिनिक चल रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के प्रपोजल के अनुसार, डिस्पेंसरियों को अपडेट किया जाना है और उन्हें पॉलीक्लिनिक में तब्दील किया जाना है। डेढ़ साल की देरी के बाद अब दावा किया जा रहा है कि तीन महीने के बाद अलग-अलग चरणों में सभी पॉलीक्लिनिक को शुरू कर दिया जाएगा। पहले चरण में 30 पॉलीक्लिनिक खोले जाएंगे । सरकारी अस्पतालों में मरीजों की भीड़ कम करने की योजना थी। साथ ही, लोगों को पॉलीक्लिनिक में ही प्राथमिक उपचार की सुविधा मुहैया करने के लिए इसे शुरू करना था। पॉलीक्लिनिक में उच्च स्तर का ब्लड के साथ सभी छोटे मोटे उपचार की व्यवस्था मौजूद होना चाहिए। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के एक सीडीएमओ ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पॉलीक्लिनिक के लिए 10 करोड़ का बजट था। यह एक बार आकर लौट चुका है। बाद में पॉलीक्लिनिक चलाने की जिम्मेदारी अस्पतालों को हैंडओवर करनी थी।

पुलिस पकड़ने गई थी जफर के हत्यारों को, पकड़े गए छैनू गैंग के 3 शॉर्प शूटर

नई दिल्ली 13 नवम्बर (ए)। कृष्णा नगर थाना पुलिस ने छैनू गैंग के तीन शॉर्प शूटरों को उत्तर प्रदेश के संभल से गिरफ्तार किया है। आरोपियों में राशिद उर्फ मुमताज, वसीम उर्फ गोलू और राशिद उर्फ गोलू शामिल हैं। मुमताज और गोलू पर दिल्ली पुलिस ने एक लाख रुपए का इनाम भी घोषित कर रखा था। गिरफ्तार आरोपी उत्तर-पूर्वी जिले में हुई गैंगवार के आरोपी हैं। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों को जेल भेज दिया है। मामले में पुलिस अधिकारी के अनुसार 24 अक्टूबर को ओल्ड सीलमपुर में 40 साल के बदमाश जफर कुरैशी की छह गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। जिसकी जांच कर रहे एसएचओ कृष्णा नगर मोहन चंद अपनी टीम इंस्पेक्टर हरकेश गाबा, एसआई विजय ने जांच शुरू की। जांच के दौरान सूचना मिली की उत्तर प्रदेश के संभल में जफर के हत्यारे छिपे हैं। जिसके बाद टीम छापा मारने संभल पहुंच गई। पुलिस टीम छापा मारा तीन बदमाशों को दबोच लिया। पूछताछ में पता चला कि पकड़े गए आरोपी जफर के हत्यारे नहीं बल्कि छैनू गैंग के शॉर्प शूटर हैं। जिन्होंने अपने दो साथियों और कड़कड़ डूमा कोर्ट में लाए गए गैंगस्टर छैनू पहलवान पर हुए हमले का बदला लेने के लिए 22 व 23 अक्टूबर को नासिर गैंग के वसीम व आरिफ की हत्या कर दी थी। वसीम व आरिफ हत्याकांड को पूरी योजना तिहाड़ से रची गई थी। जिसे छैनू गैंग के शॉर्प शूटरों ने अंजाम दिया है। वाजिद नासिर गैंग का फाइनेंसर था, इसलिए उसे टारगेट किया। जबकि आरिफ नासिर गैंग के कुछ लोगों के साथ उठना-बैठना था, उसे सिर्फ संगत की वजह से टारगेट किया गया।

पाकिस्तान से गुलाम कश्मीर लेके रहेंगे : सत्त शर्मा

जम्मू 13 नवम्बर (ए)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सत्त शर्मा ने नैशनल कान्फ्रेंस के अध्यक्ष डा फारूक अब्दुल्ला के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गुलाम कश्मीर भारत का हिस्सा है और उसे पाकिस्तान से वापिस लिया जाएगा। जम्मू के जानीपुर में मंडल की बैठक में उन्होंने कहा कि संसद में सर्वसम्मति से यह फैसला हुआ है कि राज्य के इस हिस्से को वापिस लिया जाएगा। डा फारूक अब्दुल्ला ने कुछ दिन पहले बयान दिया था कि पीओके पाकिस्तान का है और उसी के पास रहेगा। इस बयान की प्रशंसा बलीवुड एक्टर रिशी कपूर ने भी की है। वहीं फारूक अब्दुल्ला के बेटे और जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम उमर ने कहा था कि भाजपा विलय को लेकर हुए समझौते को अपनी सुविधा के अनुसार इस्तेमाल करती है। डा सत्ता शर्मा ने कहा कि कोई कुछ भी कहे पर हकीकत यही है कि पीओके भारत का है और पाकिस्तान को इसे वापिस लौटाना ही होगा। उन्होंने मंडल कार्यकारिणी से कहा कि वे पार्टी को सशक्त बनाने के लिए बूथ जीतो, चुनाव जीतो के अभियान को सशक्त बनाने का काम करें। बैठक में मंडल कमेटी के कई सदस्य मौजूद थे।

ब्रिटेन में भारतीय चिकित्सक पर यौन हमले के 3 आरोप

लंदन (13 नवम्बर (ए)। ब्रिटेन में भारतीय मूल के 52 वर्षीय चिकित्सक को यौन हमले की 3 घटनाओं को अंजाम देने का आरोपी बनाया गया है। बर्मिंघम के क्वीन एलिजाबेथ अस्पताल में चिकित्सक विभोर गुप्ता को इस साल मार्च में गिरफ्तार किया गया था। वैस्ट मिडलैंड्स पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि चिकित्सक 21 नवम्बर को बर्मिंघम मैजिस्ट्रेट की अदालत में उपस्थित होगा। 'यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स बर्मिंघम' की वैबसाइट पर गुप्ता को आपातकालीन औषधि के क्षेत्र का विशेषज्ञ बताया गया है।

भारतीय मूल के अमरीकी नागरिक की उत्तर कैरोलीना में गोलीबारी में मौत

न्यूयार्क 13 नवम्बर (ए)। अमरीकी प्रांत उत्तर कैरोलीना में हुई गोलीबारी में एक मोटल के भारतीय मूल के मालिक की गोली लगने से मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस अधिकारी जमाल लिटिलजॉन ने बताया कि फायटेविले शहर में नाइट्स इन एंड डायमंड्ज जेंटलमेन क्लब के मालिक आकाश टी तलाटी (40) गोलीबारी में मारे गए। बता दें कि उनपर कोई हमला नहीं हुआ, बल्कि वह एक राहगीर थे, जहां हमले के दौरान गोली लगने से मौत हो गई। गोलाबारी में भारतीय मूल के अमरीकी नागरिक आकाश ही नहीं बल्कि उनके आस-पास के लोग भी चपेट में आए। उनके अलावा चार अन्य लोग भी हमले के दौरान घायल हो गए। बता दें कि आकाश भले ही अमेरिकी नागरिक हों लेकिन वह भारत में गुजरात राज्य के रहने वाले थे। वह गुजरात में आणंद शहर के निवासी थे।

महिलाओं के लिए सेफ नहीं दिलवालों की दिल्ली

नई दिल्ली 13 नवम्बर (ए)। 22 दिन में 1740 आपराधिक वारदात, वह भी सिर्फ महिलाओं से! साफ है कि राजधानी में महिलाएं सेफ नहीं हैं। ये हम नहीं पुलिस के आंकड़े बताते हैं। दर्ज आंकड़ों के मुताबिक राजधानी में महिलाओं से जुड़ी 79 वारदात प्रतिदिन होती हैं। ऐसे में पुलिस का महिलाओं की सुरक्षा पर किया गया दावा एक छलावा सा लगता है। दिल्ली पुलिस के ताजा आंकड़े पर गौर करें तो 15 अक्तूबर से 7 नवम्बर के बीच एक महीने में ही महिलाओं के साथ 1740 आपराधिक मामले दर्ज किए गए। घर से लेकर सड़क तक हर दिन औसतन 5 महिलाएं दुष्कर्म का शिकार हुई और 9 महिलाओं की निजता भंग करने की कोशिश की गई। वहीं इसमें से 19 महिलाओं की दहेज के लिए हत्या कर दी गई।

घटनाओं को लेकर पुलिस सजग नहीं : हाल में एलजी ने बढ़ते महिला अपराधों पर नाराजगी जताते हुए इसके लिए विशेष रणनीति बनाने के आदेश कमिश्नर अमूल्य पटनायक को दिए थे। इसी के चलते कमिश्नर ने सभी डीसीपी सहित थाना एसएचओ को निर्देशित किया था कि वे इस पर लगाम कसें और सभी थानाध्यक्ष सभी एनजीओ, जो महिलाओं के लिए काम करती हैं उनके साथ मिलकर काम करें। अधिक संवेदनशील व ऐसी घटनाएं घटित होने वाले क्षेत्रों में उन्होंने गश्त भी बढ़ाने के निर्देश दिए थे। दिल्ली पुलिस के ताजा आंकड़े देखने के बाद तो यही लगता है कि उपराज्यपाल के सख्त निर्देश के बावजूद विभिन्न जिलों में महिला अपराध की घटनाओं को लेकर पुलिस सजग नहीं है।

पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान : वर्ष 2012 में वसंत विहार स्थित हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले के बाद पुलिस ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए हिम्मत एप से लेकर कई एप लांच किए। ऑपरेशन निर्भीक, ऑपरेशन शिष्टाचार, ऑपरेशन भरोसा, जनसंपर्क, पहचान और आप का अपडेट जैसे तमाम अभियान चलाए गए। दिल्ली पुलिस ने पांच महिला पीसीआर वैन लांच की, ताकि महिला पुलिसकर्मियों को पीड़ित महिलाएं अपनी शिकायत आसानी से बता सकें। इन पीसीआर वैन में प्रशिक्षित महिला पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। इसके बावजूद भी अपराध की वारदातों में कमी नहीं आ रही है।

अपनी सुरक्षा खुद करनी होगी : अब सवाल ये उठता है कि जहां देश प्रगति की राह पर चल रहा है वहां महिलाओं की हालत बद से बत्तर हो रही है। उनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं है। पहले उन्हें घर की सामग्री समझा जाता था और अब उन्हें अपने मनोरंजन के लिए खेलकर फेंक देने वाला खिलौना। महिलाओं को सबसे पहले अपनी सुरक्षा खुद करनी होगी। सिर्फ कानूनों से महिलाओं पर बढ़ रहे अपराधों पर लगाम नहीं लगाया जा सकता है बल्कि लोगों की सोच और मानसिक चिंता धारा में बदलाव अति आवश्यक है। लोगों के नजरिए में बदलाव जरूरी है। इसके लिए सिर्फ सरकार को ही नहीं बल्कि बुद्धिजीवियों के साथ-साथ समाज के वरिष्ठ नागरिकों को भी आगे आना होगा। क्राइम अगेंस्ट विमिन सेल के अलावा 100 नंबर या महिला हेल्पलाइन नंबर 1091 पर कभी भी (सातों दिन चौबीसों घंटे) कॉल कर या अपने इलाके के थाने में शिकायत की जा सकती है। दिल्ली में नानकपुरा के अलावा हर जिले में अलग से भी क्राइम अगेंस्ट विमिन सेल है। दिल्ली लीगल सर्विस अथॉरिटी, राष्ट्रीय महिला आयोग, एनजीओ आदि की डेस्क क्राइम अगेंस्ट विमिन सेल में हैं।

कैसे होती है कार्रवाई : महिला लोअर कोर्ट में शिकायत दर्ज कर सकती है। अगर वह घर से नहीं निकल सकती या दूसरी वजहें हैं तो वह कोर्ट द्वारा नियुक्त सर्विस प्रोवाइडर को फोन कर बुला सकती है। कोर्ट सुरक्षा अधिकारी भी नियुक्त करता है, जो महिला की सुरक्षा का जिम्मा संभालते हैं। शिकायत के बाद कोर्ट पुलिस को आदेश देता है। किसी भी तरह का उत्पीड़न होने पर पुलिस को बुलाएं और एफआईआर की कॉपी अपने साथ रखें। इस कानून के तहत अदालत पीड़िता के बयान को सबसे ज्यादा अहमियत देती है। हालांकि अगर आपके पास किसी भी तरह के उत्पीड़न के सबूत हैं, तो उन्हें संभाल कर रखें और कोर्ट में पेश करें। इस कानून के तहत केस दो महीने में सुलझ जाना चाहिए। अपराधी कोर्ट में 498 ए के तहत केस दर्ज नहीं किया जा रहा तो यह कोर्ट इस धारा के तहत केस दर्ज करने का आदेश दे सकता है।

एमबीबीएस डॉक्टर की फीस है महज 1 रुपया, 32 साल से कर रहे इलाज

अमरावती 13 नवम्बर (ए)। महाराष्ट्र के डॉक्टर दंपती स्मिता कोल्हे और रविंद्र कोल्हे 32 साल से डॉक्टरी पेशे में हैं। एमबीबीएस पढ़ाई के आखिरी दिनों में ठाना कि समाज के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचकर इलाज करना है। ढाई महीने तक भटकने के बाद अमरावती जिले के बैरागड गांव पहुंचे। तब से वहीं मरीजों का इलाज कर रहे हैं। ये ऐसा गांव है, जहां पहुंचने के लिए मुख्य जिले से 25 किमी बस, फिर 30 किमी पैदल चलकर जाना पड़ता था। स्मिता और रविंद्र यहां एक रुपए में मरीजों का इलाज करते हैं। रविंद्र को सामाजिक कार्यों के लिए 2011 में 10 लाख रु. का पुरस्कार भी मिला था। इसे भी गांव में ऑपरेशन थिएटर बनाने में लगा दिया। स्मिता और रविंद्र अब एक कदम आगे बढ़ते हुए खेती-किसानी पर भी ध्यान दे रहे हैं। उनका कहना है कि- जब गांव के लोग अच्छा और पेट भर खाएंगे, तो बीमारियों का खतरा रहेगा ही नहीं।

जॉन रस्किन की किताब 'अन टू दिस लास्ट' से प्रेरणा मिली : डॉ. रविंद्र ने कहा कि, एमबीबीएस के आखिरी दिनों में मैंने जॉन रस्किन की 'अन टू दिस लास्ट' किताब पढ़ी। इसमें रस्किन ने समाज के आखिरी आदमी तक पहुंचने की बात कही है। डॉक्टर होने के नाते मैंने अपना आखिरी मरीज ढूंढने की ठानी। महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में ढाई महीने तक घूमता रहा। 1985 में मेरी तलाश बैरागड जाकर खत्म हुई। ये गांव मुख्य धारा से दूर था। हमने यहीं काम करने का फैसला लिया। पहली चुनौती तो यहां के लोगों को चिकित्सा में भरोसा दिलाने की थी। किसी भी इलाज के लिए लोग जादू-टोने में ही भरोसा करते थे। हमें तो वो धर्मांतरण कराने वाला समझते थे। वो कहते थे कि 'हम तो बीमार होने पर जानवर की बलि देते हैं। इसमें 100 रु. तक लग जाते हैं। आप 10 पैसे में ऐसी कौन सी चीज (दवा) दे रहे हैं जिससे बीमारी ठीक हो जाएगी।' हम पर तीन बार बड़े हमले भी हुए। फतवा भी जारी हुआ। फिर धीरे-धीरे हमने लोगों का भरोसा जीता।

अच्छा पैसा मिलेगा, तभी युवा डॉक्टर गांव में काम करने जाएंगे : डॉक्टर रविंद्र कहते हैं- 'आज के युवा डॉक्टर गांव जाकर काम करने से कतराते हैं। इसका कारण है कि गांव में काम करना उनके लिए आर्थिक तौर पर कम फायदेमंद होता है। इस बात को नकार नहीं सकते। शहर में डॉक्टर-इंजीनियर को जैसा पैकेज मिलता है, वैसा ही उन्हें गांव जाकर काम करने पर भी मिलना चाहिए। आने वाली पीढ़ी के डॉक्टरों को गांव में काम करने के लिए इसी तरह से प्रेरित कर सकते हैं।

चचई बांध में युवाओं ने किया छेड़छाड़ का विरोध तो कर दिया हमला, चार घायल

बिलासपुर 13 नवम्बर (ए)। रतनपुर-रानीगांव रोड स्थित चचई डेम पर पिकनिक मनाने गए युवक-युवतियों पर कुछ युवकों ने हमला कर दिया। हमले का कारण घायलों के परिजनों ने छेड़छाड़ करने का विरोध बताया है। हमले में तीन युवकों के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं, वहीं एक युवती का हाथ टूट गया है। हमलावरों ने पीड़ितों की बाइक को आग लगा दी। दूसरी तरफ हमले में घायल लोगों को जिला अस्पताल में मौजूद महिला डॉक्टर ने देखना तक जरूरी नहीं समझा तथा बिना किसी उपचार के ही सिम्स रेफर कर दिया। मामले में रतनपुर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है। रविवार को रितेश कौशिक 21 वर्ष, सुधा टिकले 22 वर्ष, जितेन्द्र कौशिक 30 वर्ष तथा मुद्रिका कौशिक 24 वर्ष (सभी निवासी बंधवापारा सरकंडा तथा इमलीभाठा) चचई डेम में पिकनिक मनाने गए थे। मदनपुर की कुछ महिलाएं व पुरुष भी वहां पिकनिक मना रहे थे। पुलिस के अनुसार भोजन करने के दौरान बिलासपुर के युवक मदनपुर की महिलाओं पर अभद्र कमेंट्स करने लगे।वहीं घायलों के परिजनों के मुताबिक शाम 4 बजे के लगभग कुछ युवक वहां पहुंचे और पिकनिक मना रहीं युवतियों के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी।

दिल्लीवालों की सेहत तो बिगाड़ ही रहा, हिमाचल-उत्तराखंड भी चपेट में

नई दिल्ली 13 नवम्बर (ए)। हवा में मौजूद नाइट्रोजन डाइऑक्साइड अब अस्थमा और चेस्ट इंफेक्शन के शिकार मरीजों के साथ हेल्दी लोगों को भी चपेट में ले रहा है। हॉस्पिटल्स में ऐसे मरीज बढ़ रहे हैं, जिन्हें केवल कफ की शिकायत है। सफदरजंग हॉस्पिटल के ईएनटी स्पेशलिस्ट डॉ. एनएन माथुर का कहना है कि उनकी ओपीडी में ऐसे मरीजों की तादाद 8-10त्न तक बढ़ गई है। ये मरीज बिल्कुल हेल्दी थे, लेकिन पहले इन्हें खांसी हो रही है। फिर कफ आता है, उसके बाद बुखार की चपेट में आ रहे हैं। यह पॉल्यूशन की वजह से हो रहा है। ओपीडी में आने वाले ईएनटी के 30 प्रतिशत मरीजों में 8-10 प्रतिशत ऐसे मरीजों की ही संख्या है। एक्सपर्ट्स कहते हैं कि दिल्ली का पॉल्यूशन हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को भी अपनी चपेट में ले लेगा।

खांसी-बुखार भी है तो अस्पताल पहुंचें : डॉ. एनएन माथुर ने बताया कि हवा में मौजूद नाइट्रोजन डाइऑक्साइड पार्टिकल्स खाने की नली (एसोफेगस) में पहुंचकर इरिटेशन करते हैं, जिससे खराश होती है और बाद में कफ आता है। - कुछ मरीज तो इलाज के लिए हॉस्पिटल पहुंच जा रहे हैं लेकिन बड़ी संख्या में मरीज

अस्पताल नहीं पहुंच रहे हैं, जबकि उन्हें इलाज की जरूरत है। इस तरह की समस्या को नजरअंदाज न करें।

हमें ऐसे नुकसान पहुंचाती है नाइट्रोजन डाइऑक्साइड : सेंटर फॉर साइंस एंड एन्वायरन्मेंट (सीएसई) में एयर पॉल्यूशन कंट्रोल यूनिट के प्रोग्राम मैनेजर विवेक चट्टोपाध्याय ने बताया कि नाइट्रोजन डाइऑक्साइड की ज्यादा क्वांटिटी ही सांस की बीमारियां पैदा करती है। यह गाड़ियों से निकलने वाले धुएं के कारण वातावरण में मौजूद रहती है और लंबे समय तक हवा में रहने के बाद नाइट्रोजन डाइऑक्साइड पार्टिकल्स में बदल जाती है, जो और भी घातक है। मौजूदा वक्त में हवा महज एक किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चल रही है। ऐसा एंटी साइक्लोन इफेक्ट की वजह से हुआ है। यही वजह है कि अब स्वस्थ लोग भी बीमार पड़ रहे हैं। राजधानी में कई डॉक्टर इस पर रिसर्च कर रहे हैं।

पहाड़ी इलाके के लोगों के फेफड़े भी 70त्न तक असर : इंडियन पॉल्यूशन कंट्रोल एसोसिएशन की डिप्टी डायरेक्टर राधा गोयल ने कहा कि दिल्ली का पॉल्यूशन इस कदर बढ़ रहा है कि जो लोग पहाड़ी राज्यों से दिल्ली आ रहे हैं, उनके फेफड़ों को भी यह 60-70 फीसदी तक पॉल्यूटेड कर रहा है। इनडोर और आउटडोर एयर पॉल्यूशन पर की गई स्टडी के तहत यह जानकारी मिली कि पीएम 2.5 और पीएम 10 का लेवल लोगों के फेफड़ों और दिल को लगातार कमजोर बना रहा है। प्रोजेक्ट सफर के निदेशक गुफरान बेग ने कहा कि दिल्ली में ज्यादातर दिन पीएम 2.5 का पॉल्यूशन लेवल 170 एमजीसीएम के पार ही रहता है, जो खतरनाक है।

एक महीने ही मिलती है साफ हवा : सीएसई की मानें तो दिल्ली की हवा हमेशा पॉल्यूटेड रहती है। यहां महज एक महीने में लोगों को सांस लेने लायक हवा मिलती है। बाकी सभी महीने एयर क्वालिटी खराब रहती है।

अगले 2 दिन राहत के आसार नहीं : प्रोजेक्ट सफर में दिल्ली का औसत पीएम 2.5 का स्तर 417 एमजीसीएम और पीएम 10 का स्तर 664 दर्ज हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिन इसी तरह से सीवियर कैटेगरी तक पॉल्यूशन लेवल दर्ज होने की संभावना है।

सड़क किनारे ज्यादा देर खड़े होने से बचें : ऐसे मरीज जिन्हें खांसी और कफ की शिकायत है, वे खुद को सड़क किनारे उड़ने वाली धूल के एक्सपोजर से बचाएं। बेहतर होगा काम के बाद घर पहुंचते ही गुनगुने पानी से गला साफ करें। दीपचंद बंधु हॉस्पिटल के सीनियर डॉक्टर अविनाश कुमार ने बताया कि पिछले एक हफ्ते में हर दिन अस्पतालों में 70 मरीज सांस से जुड़ी शिकायत लेकर पहुंचे हैं।

अमेरिका की राजनीति में सक्रिय भागीदारी के पक्ष में हैं हिन्दू अमेरिकी नेता

वाशिंगटन 13 नवम्बर (ए)। हाल में हुए राज्यों और स्थानीय चुनावों में समुदाय के कई सदस्यों के निर्वाचन से उत्साहित हिन्दू अमेरिकी नेता देश की राजनीति में अपनी सक्रिय भागीदारी की अपील कर रहे हैं। अमेरिका के किसी राज्य की विधायिका में निर्वाचित पहले भारतीय अमेरिकी कुमार भावें का कहना है, ''दर्जनों (हिन्दू अमेरिकी) चुनाव लड़ रहे हैं और सैकड़ों उनके नक्शे कदम पर चल रहे हैं।'' उन्होंने देश की प्रतिनिधिसभा में चार हिन्दुओं तथा पिछले सप्ताह हुए राज्य विधायिका और स्थानीय चुनावों में कई अन्य लोगों के निर्वाचन का हवाला देते हुए उक्त बात कही। मेरीलैंड राज्य विधायिका में निर्वाचित अरुणा मिलर का कहना है कि अमेरिका बहुत अच्छे अवसर दे रहा है। अगले वर्ष अमेरिकी प्रतिनिधिसभा की

चुनाव लड़ने की योजना बना रही अरुणा का कहना है कि यह हमें समाज को शांति की ओर लेकर जाने की अभूतपूर्व जिम्मेदारी मिल रही है। दोनों नेता अमेरिकन हिन्दू गठबंधन (एएचसी) की पहली वर्षगांठ पर बोल रहे थे। मेरीलैंड राज्य विधायिका ने एएचसी की पहली वर्षगांठ पर एक प्रशस्तिपत्र के माध्यम से उसके बारे में बात की। एएचसी के अध्यक्ष शेखर तिवारी ने कहा, ''हम जहां भी हैं, हमें राजनीतिक शक्ति की ओर बढ़ना चाहिए।

अरुण जेटली सिंगापुर इंवेस्टर मीट में देंगे उद्घाटन संबोधन

सिंगापुर 13 नवम्बर (ए)। वित्त मंत्री अरुण जेटली बुधवार को सिंगापुर में वैश्विक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों के एक सम्मेलन में उद्घाटन संबोधन देंगे। सिंगापुर फाइनटेक सम्मेलन के आयोजकों ने बताया कि जेटली केंद्रीय बैंकों और नियामक एजेंसियों, वित्तीय संस्थानों, वेंचर कैपिटल फर्म और फिनटेक कंपनियों के 160 से अधिक लीडर्स को संबोधित करेंगे।

सम्मेलन में नौ प्रमुख विषयों पर ध्यान दिया जाएगा, जिसमें वैश्विक बाजार अंतर्दृष्टि शामिल है। इसके अलावा डेटा विश्लेषण, तकनीकी जोखिम, टिकाऊ फिनटेक और फिनटेक का भविष्य जैसे विषय होंगे। वित्तीय संस्थानों, प्रौद्योगिकी और फिनटेक कंपनियों के 300 से अधिक प्रदर्शकों ने सम्मेलन में हिस्सा लिया है।

सीरिया में गोलाबारी, रूसी हमलों में कम से कम 50 लोगों की मौत

बेरूत 13 नवम्बर (ए)। सीरिया से आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट को खदेड़ने के लिए रूसी अभियान जारी है। पूर्वी सीरिया में विस्थापित लोगों के लिये बनाये गये दो शिविरों एवं इसके आसपास के इलाके में गोलाबारी एवं रूसी बमबारी से दर्जनों नागरिकों की मौत हो गयी।

सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने आज कहा कि पिछले शुक्रवार की रात से दीर एजोर प्रांत में जारी भीषण बमबारी में 50 लोग मारे गए हैं, जिसमें 20 बच्चे शामिल हैं। उन्होंने बताया कि ब्रिटेन स्थित निगरानी संस्था की ओर से शनिवार को मृतकों का आंकड़ा 26 बताया गया था जो कि आज के आंकड़े की तुलना में लगभग आधा है। बता दें कि बमबारी फरात नदी के करीब के इलाके को निशाना बनाकर की गयी। इसके साथ ही सीरिया के सीमावर्ती शहर अल्बु कमाल और विस्थापितों के गांवों और शिविरों को निशाना बनाया गया। गौरतलब है कि अल्बु कमाल अंतिम महत्वपूर्ण सीरियाई शहर है, जो इस समय आतंकी संगठन आइएस के नियंत्रण में है। अगर आइएस से यह शहर छिन जाता है, तो उन्हें फिर उन्हें अंडरग्राउंड होना पड़ेगा। सीरिया के विवाद में अराजकता में बढ़ोतरी 2011 में राष्ट्रपति बाशर अल असद के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के साथ हुई थी। इसके बाद यह एक जटिल युद्ध में बदल गया, जिसमें अभी तक 3,30,000 से अधिक लोगों की जान चली गई है। वहीं लाखों लोगों को पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ा और शहर के शहर खंडहर में तब्दील हो गए।